अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की ओर से नववर्ष (2017)
पर संदेश

प्रिय साथियों,

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर, मैं एनपीसीसी परिवार के सदस्यों के लिए कामना करता हूँ कि नववर्ष 2017 उनके लिए ख़ुशहाली और समृद्धि से पूर्ण हो। इस अवसर पर मैं आप सभी को बताना चाहूँगा कि बाजार की अनिश्चित परिस्थितियों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तीय बाध्यताओं के कारण कारोबार और लाभ प्रभावित हुआ है।इसके बावजूद एनपीसीसी का प्रदर्शन सराहनीय रहा है और मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान एनपीसीसी ने 118 करोड़ रुपए की सकारात्मक निवल योग्यता हासिल की है।

श्री मनोहर कुमार और श्री साहब नारायण ने कम्पनी में निदेशक ½इंजी½ और निदेशक (वित्त) के तौर पर क्रमशः 21 अप्रैल 2016 और 29 जुलाई 2016 को कार्यभार संभाला|इस समय सभी कार्यात्मक निदेशकों के स्तर के पद भरे जा चुके हैं|

वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल ने **11/-रुपए प्रति इक्विटी शेयर** (प्रदत्त पूंजी का 1.10%) का **लाभांश** देने की सिफारिश की है जो चालू वर्ष के लाभ में से 1.03.98.476 रुपए की राशि (मुनाफे का 9.62 प्रतिशत) है। कंपनी द्वारा एक लंबे समय के बाद लाभांश घोषित किया गया है।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और उसके निर्वहन सम्बन्धी कंपनी कानून और भारत सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के तहत अपनी जिम्मेदारियों और दायित्वों को पूरा करना आपकी कंपनी के संज्ञान में है।एनपीसीसी, नई दिल्ली में जल संचयन प्रणाली,उत्तर प्रदेश में विद्यालय भवन का निर्माण, इंदौर में वृद्धाश्रमों का निर्माण तथा उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में व्यायाम ओर उससे सम्बन्धित उपकरणों की आपूर्ति, करके समाज के लिए अपना योगदान कर रही है ।

आपकी निगम ने पर्यटन मंत्रालय और खेल मंत्रालय के तहत क्रमशः पर्यटक स्थलों के विकास और खेल स्टेडियमों के विकास कार्य के साथ जम्मू-कश्मीर में प्रवेश किया है।

पूर्ण उत्साह के साथ मैं यह भी सूचित करना चाहूँगा कि गुड़गांव में हमारे नए केन्द्रीय कार्यालय भवन का निर्माण पूरा हो चुका है जिसका जल्दी ही नए साल में हमारी माननीया मंत्रीजी,जल संसाधन,नदी विकास ओर गंगा संरक्षण मंत्रालय,द्वारा उद्घाटन किए जाने की सम्भावना है।

मानव संसाधन को आकर्षित करने के लिए भर्ती अभियान चलाया गया था ओर वर्ष 2016 में 01 दिसम्बर 2016 (बोर्ड से निचले स्तर) तक लगभग 70 नए अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।इसमें इंजीनियरी,विधि और वित्त सम्बन्धी मानव शक्ति शामिल हैं। 50 सहायक इंजीनियर (सिविल),10 मैनेजमेंट ट्रेनी (वित्त)और मानव संसाधन विभाग में अधिकारियों की भर्ती की प्रक्रिया जारी है। कंपनी ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए कार्यकारी और गैर कार्यकारी कैडर में जनशक्ति को पदोन्नत किया है।कम्पनी में गत दो वर्षों से डीपीसी की बैठक हो रही है ओर 2016 में लगभग 100 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया।कम्पनी द्वारा सभी सेवानिवृत्त कामगारों की वर्ष 2007-2011 के लिए बकाया देयराशि का भुगतान कर दिया गया है ।

मुझे आशा है कि एनपीसीसी परिवार वांछित कार्य को निश्चित रूप से पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ निष्पादित करेगा और हम अपने शेयरधारकों एवं सभी हितधारकों के वादों और उम्मीदों को पूरा करेंगे।

आइए, हम सब मिलकर निर्माण के क्षेत्र में एनपीसीसी को एक "प्रतिष्ठित संगठन" बनाने की शपथ लें।हमारा प्रदर्शन ऐसा होना चाहिए कि हम अपने ग्राहकों के दिलों के और करीब पहुँच सकें।इसके लिए हम भरपूर पूर्ण प्रयास करें और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपनी ओर से पूर्ण सहयोग करें ।

मैं आशा के साथ–साथ यह कामना करता हूं कि आगामी वर्ष आप और आपके परिवार के सदस्यों के लिए खुशी और समृद्धि लाएगा | मैं आप और आपके परिवार के लिए खुशियां लाने और कंपनी को एक नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ।

शुभकामनाओं सहित !

(एच.एल.चौधरी)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक